तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
रायगढ़-जशपुर भूमि

बिलासपुर, रविवार 27 जुलाई 2025

खरसिया| सारंगढ़| घरघोड़ा| धरमजयगढ़| पुसौर| बरमकेला| लैलूंगा| तमनार

4
महानदी में आई बाढ़ से तटवर्ती गांवों में किसानों के हजारों एकड़ फसल जलमग्न

खबर संक्षेप

अनुपस्थित सहायक शिक्षक निलंबित

रायगढ़। जिले के एक सरकारी प्राथमिक स्कूल में पदस्थ सहायक शिक्षक को बिना सूचना के गैरहाजिर रहने पर निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई संकुल प्राचार्य के स्कूल निरीक्षण के दौरान शिक्षक की गैरमौजूदगी सामने आने के बाद की गई। मामला धरमजयगढ़ विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला नेवार का है, जहां सहायक शिक्षक रामलाल पटेल पदस्थ हैं। जब संकुल प्राचार्य ने स्कूल का आकस्मिक निरीक्षण किया तो रामलाल पटेल स्कूल से अनुपस्थित मिले। उस समय स्कूल का संचालन मिड-डे मील प्रभारी द्वारा किया जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि रामलाल पटेल स्कूल समय में धरमजयगढ़ के विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में मौजूद थे और वहां अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बातचीत कर रहे थे। उनकी इस अनुपस्थिति से स्कूल का नियमित संचालन और मध्याह्न भोजन व्यवस्था बाधित हुई। इसकी जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी को दी गई। जहां जांच के बाद जिला शिक्षा अधिकारी केवी राव ने सहायक शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही रामलाल पटेल को निर्देशित किया गया है कि वह निलंबन अवधि में विकासखंड शिक्षा अधिकारी धरमजयगढ़ के अधीन काम करेंगे।

पवनी में आयुष स्वास्थ्य मेला का आयोजन

बिलाईगढ़। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के नगर पंचायत पवनी में शनिवार को शासकीय आयुर्वेद औषधालय परसाडीह के द्वारा विकासखंड स्तरीय एक दिवसीय आयुष स्वास्थ्य शिविर एवं मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चना कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष कुलदीपक साहू विशेष अतिथि के रूप में पार्षद करन साहू, कमलेश साहू एवं पार्षद प्रतिनिधि अमित साहू उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में नगर पंचायत पवनी समेत आसपास के ग्रामीण 545 की संख्या में उपस्थित हुए और निरूशुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठाया। ग्रामीणों को निशुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ विभिन्न प्रकार के दवाइयां वितरण किया गया। पार्षद करन साहू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्तमान में बरसात का मौसम चल रहा है। ऐसे में मौसमी बीमारी लोगों को चपेट में लेती है और मौसमी बीमारी के समय में इस प्रकार से शिविर लगाकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना किसी वरदान से काम नहीं है।

शासन को दो बार प्रस्ताव भेजने के बाद भी लटका मामला, शहर के बीच बस स्टैंड होने से चरमराई ट्रैफिक व्यवस्था

बड़े रामपुर में निगम के पास जमीन होने के बाद भी शिफ्ट नहीं हो सका केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड..!

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

सालों से बड़े रामपुर की शासकीय भूमि निगम के आधिपत्य में होने के बाद भी शहर के भीतर स्थित केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड अब तक वहां शिफ्ट नहीं हो सका है। जबकि बस स्टैंड को वहां शिफ्ट करने के लिए दो बार प्रस्ताव बना कर शासन को भेजा जा चुका है, इसके बाद भी मामला अधर में लटक गया है। अब निगम के अधिकारी कह रहे हैं शासन से बिना स्वीकृति मिले कुछ नहीं हो सकता। इधर शहर के बीच बसों के गुजरने से चरमराई ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने अधिकारियों सहित शहर सरकार की मंशा भी नजर नहीं आ रही है।

दरअसल केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड शहर के बीच में स्थित है। एक तो पहले ही शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है उपर से जब यात्री बस शहर से गुजरती है तो मुख्य मार्ग और चौक-चौराहों में हर वक्त जाम की स्थिति निर्मित होती है। यह जाम कोई आम नहीं बल्कि भयावह होता है। लोगों को जाम में घंटों फसना पड़ता है।

केवड़ाबाड़ी से बस निकल कर हिमरापुर मार्ग से अपने गंतव्य तक जाती है। इस रास्ते में कई निजी और शासकीय स्कूल भी आते हैं। इसके अलावा यह रास्ता अति व्यस्ततम मार्ग की श्रेणी में आता है। जिसके कारण इस मार्ग में हमेशा दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। जानकारों कि माने तो साल 2017 से इस बस स्टैंड को अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग की जाती रही है, लेकिन शहर सरकार और शासन-प्रशासन की सुस्त कार्यप्रणाली के कारण लोग आज भी इस समस्या से जूझ रहे हैं। अपने 5 साल के कार्यकाल में कांग्रेस की शहर सरकार भी इस बस स्टैंड को शिफ्ट कराने में नाकाम साबित हुई। वहीं वर्तमान में भाजपा की नई शहर सरकार भी इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रही है। बात करें निगम प्रशासन की तो कई कमिश्नर और ईई बदल गए, लेकिन बस स्टैंड का स्थान नहीं बदल सका। यह शहरवासियों से जुड़ा एक गंभीर मुद्दा है पर अब तक किसी भी अधिकारी या जनप्रतिनिधि में वह सहानुभूति नहीं दिखी कि इस मसले को वो सुलझा पाएं। जबकि बस स्टैंड शिफ्ट करने के लिए बड़े रामपुर स्थित करीब 2 एकड़ शासकीय भूमि निगम को मिल चुकी है, इसके बाद भी इस काम में लेट लतिफी होना समझ से परे है।

शासन को भेजा गया था 10 करोड़ का प्रस्ताव

साल 2017 में इस बस स्टैंड को बड़े रामपुर में शिफ्ट करने के लिए 10 करोड रुपए का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया था। उस वक्त शहर में कांग्रेस की सरकार भी नहीं थी। तब अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के कारण यह मामला ठंडा बस्ते में चला गया। इसके बाद जब शहर में कांग्रेस की सरकार थी तब विधानसभा चुनाव के पूर्व परिषद की बैठक में यह मुद्दा फिर से गर्माया। तब इस बस स्टैंड को बड़े रामपुर में शिफ्ट करने के लिए दोबारा प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया, लेकिन यह मामला फिर से लटक गया। जबकि यहां से अधिकांश राज्यों में बसें आती-जाती हैं। ऐसे में बस स्टैंड के स्थान को बदल कर नए सिरे से कायाकल्प करने का सपना सपना बन कर ही रह गया है।

दुर्घटना के बाद भी जिम्मेदारों ने नहीं ली सबक

कुछ साल पहले हंडी चौक के पास एक बस की चपेट में आकर तीन नवयुवकों की अकाल मौत हो गई थी। उस वक्त स्थानीय जनप्रतिनिधि, क्षेत्रवासी सहित पूरे शहरवासी आक्रोशित हो उठे थे। वहीं शहर में किसी भी कंपनी या यात्री बसों के गुजरने पर प्रतिबंध लगाने आन्दोलन किया गया था। जिसके कारण कुछ सप्ताह तक बसों का आवागमन बंद रहा, लेकिन मामला शांत होते ही फिर से शहर के भीतर से बसें चलने लगी। इस तरह बड़ी दुर्घटना के बाद भी जिम्मेदारों ने सबक नहीं ली। जबकि हाल ही में बस स्टैंड के पास ही एक बस ने कार और फल ठेला को टक्कर मार दी थी, फिर भी किसी ने चूं तक नहीं की।

रैन बसेरा के नाम पर फूंक दिए करोड़ों

तत्कालीन शहर सरकार द्वारा केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड में रैन बसेरा के नाम पर करोड़ों रुपए फूंक दिया गया। जबकि सभी को मालूम है कि यह बस स्टैंड शिफ्ट होने वाला है, इसके बाद भी इस पर खर्च कर शासन के पैसों की बर्बादी की गई। जिससे लगता है कि बस स्टैंड को शिफ्ट कराने जनप्रतिनिधियों व निगम के अधिकारियों की मंशा ही नहीं है। निगम प्रशासन चाहे तो बस स्टैंड को बड़े रामपुर में शिफ्ट कर वहां सरकारी मॉल व कॉम्प्लेक्स बना सकता है, जिससे निगम के आय में बढ़ोत्तरी होगी।

केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड को रामपुर में शिफ्ट करने के संबंध में शासन को पूर्व में प्रस्ताव बना कर भेजा गया था, लेकिन स्वीकृति नहीं मिली। आने वाले दिनों स्वीकृति मिलेगी या नहीं मैं इस बारे में नहीं बता सकता, क्योंकि मेरे पास ऐसा कोई लेटर नहीं आया है।
अमरेश लोहिया
ईई, नगर निगम, रायगढ़।

शहर सरकार व निगम प्रशासन द्वारा रामपुर स्थित निगम की जमीन पर कुछ दूसरा निर्माण करने का प्लानिंग चल रहा है। केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड को कहां शिफ्ट करना है इसके लिए जगह का चयन नहीं किया गया है। मैं इस संबंध में आयुक्त को पत्र लिख कर पूछूंगा।
सलीम नियारिया
नेताप्रतिपक्ष, नगर निगम, रायगढ़

चार दिन की बारिश से नदी-नाले उफान पर, जलमग्न हुआ चंद्रपुर

हरिभूमि न्यूज ⏭चंद्रपुर

सक्ती जिले के ग्राम चन्द्रपुर में चार दिन से हो रही लगातार बारिश के कारण महानदी ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। आस पास के सभी नदी-नाले उफान पर हैं। चंद्रपुर में बाढ़ का ख़तरा मंडराने लगा है। निचली बस्तियों जैसे विद्युत विभाग व नगर पंचायत में जल भराव हो रहा है। वहीं चंद्रपुर से जुड़ने वाले, सरिया बरमकेला मार्ग में स्थित लातनाला पुल के ऊपर से भी पानी बह रहा है। जिसके कारण इस मार्ग पूर्ण रूप से आवागमन बंद हो गया है।

ऊपरी क्षेत्रों में भारी वर्षा होने के कारण महानदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। शुक्रवार की शाम छह बजे महानदी का जल स्तर 56 फ़ीट के आसपास पहुंच चुका था, जबकि 58 फीट पर पानी पहुंचने पर बाढ़ का ख़तरा मंडराने लगता है। चंद्रपुर में हीरापुर मार्ग, साईं धर्मशाला, शशिपुर मोहल्ला सरकारी दफ़्तर जैसे नगर पंचायत, विधुत विभाग आदि जगहों में पानी का भराव हो जाता है। ऐसी स्थिति में प्रशासन की से हाई अलर्ट जारी किया जाता है, लेकिन नगर के स्थानीय लोगों की परेशानी काफ़ी अत्यधिक बढ़ जाती है। इस भीषण बाढ़ की स्थिति को देखते हुए चंद्रपुर में बाढ़ से बचाव को लेकर एक सभा रेस्ट हाउस में आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता विभागीय अधिकारी राजस्व विभाग के एसडीएम बालेश्वर राव ने की। बैठक में बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों की समीक्षा करते हुए तत्काल ठहराव चर्चा की गई। वहीं खाद्यान्न वितरण, पीने के लिए

पानी व्यवस्था, रहने के लिए शिविर की व्यवस्था करने की बात कही गई है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग को भी बरसात में साफ़-सफ़ाई रखने को कहा, जिससे ज़हरीले जीव जन्तु अंदर प्रवेश न कर सके। चन्द्रपुर के थाना प्रभारी गगन बाजपेयी पल-पल बाढ़ कि इस स्थिति का जायजा कर उच्च अधिकारियों को अवगत करा रहे हैं।

मां कॉलोनी में वैकल्पिक कच्ची नाली खोदकर निकाला गया पानी

जल भराव न हो इसके लिए सुबह से ही डटी रही निगम की टीम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

पिछले दो दिनों से लगातार रुक-रुक कर बारिश हो रही है, लेकिन कमिश्नर बृजेश सिंह क्षत्रिय के पूर्व में दीवार तोड़कर, सड़क काटकर वैकल्पिक नाला निर्माण, नाले का गहरीकरण, चौड़ीकरण, नाले से अतिक्रमण हटाकर नाला की सफाई कार्य करने से शहर में कहीं पर भी जल भराव की स्थिति नहीं बनी। जल भराव से निपटने एक तरफ जहां कमिश्नर श्री क्षत्रिय सहित निगम के टीम द्वारा रात भर शहर के जल भराव क्षेत्र में निगरानी रखी गई थी, वहीं शनिवार की सुबह 5 बजे से ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण कर पानी निकासी को बहाल कराया गया।

कमिश्नर श्री क्षत्रिय, डिप्टी कमिश्नर सुतीक्षण यादव सहित इंजीनियर, सफाई विभाग व वाहन विभाग की टीम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रॉयल ग्रीन सिटी में पानी भरने की समस्या आ रही थी। इसका पानी निकासी वार्ड क्रमांक 34 चांदगीराम कोल्ड स्टोरेज के सामने नाले से होता है। इसपर कोल्ड स्टोरेज के सामने नाले के कलवर्ट में पानी निकासी दबाव बढ़ने पर कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने तत्काल जेसीबी बुलवाकर नाले की खुदाई एवं कलवर्ट को तोड़कर नाले का चौड़ीकरण करवाया। इससे यहां पानी निकासी अच्छी तरह से बहाल हुआ। इसी तरह बड़े अतरमुड़ा मां कॉलोनी में पानी भरने की समस्या की सूचना मिली। जिस पर निगम की टीम ने

तत्काल रिस्पांस करते हुए वहां जेसीबी से दीवार को तोड़ते हुए सड़क काटकर वैकल्पिक नाली का निर्माण किया।

इससे कुछ ही समय में कालोनी में भरा पानी निकल गया और वहां के निवासियों ने राहत की सांस ली। इसके बाद आयुक्त श्री क्षत्रिय ने नवापारा, गांधी नगर बड़ा नाला का निरीक्षण किया और क्षेत्र में निगरानी बनाए रखने के साथ पानी निकासी के लिए नाले में फसने वाले कचरा, झाड़, प्लास्टिक को निकालने के निर्देश दिए। इसी तरह काशीराम चौक, गंधरी पुलिया, स्टेशन रोड होते हुए हंडी चौक, सर्किट हाउस, चांदमारी, बोईरदादर चौक, स्टेडियम का निरीक्षण आयुक्त ने किया। इस दौरान उन्होंने सभी जोन के टीम के इंजीनियर्स, सहायक कर निरीक्षक, सफाई दरोगा को क्षेत्र के पानी निकासी संबंधित नाली-नाला का सतत निरीक्षण करने व पानी निकासी संबंधित शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

यात्री प्रतीक्षालय में अतिक्रमण पर की गई कार्रवाई

काशीराम चौक के पास यात्री प्रतीक्षालय से सड़क किनारे अतिक्रमण कर सब्जी दुकान संचालित किया जा रहा था। इससे बारिश में यहां यात्रियों को छांव मिलने व ठहरने में असुविधा हो रही थी। तेज बारिश होने पर यहां हताहत होने के भी आशंका जताई गई। इससे देखते हुए कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने तत्काल यात्री प्रतीक्षालय एवं सड़क के किनारे अतिक्रमण कर सब्जी दुकान लगाने वालों को हटवाया।

मारपीट और लूटपाट के दो आरोपी धराए

रायगढ़। कोतरारोड़ थाना क्षेत्र में मारपीट और लूट की गंभीर वारदात में फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने ग्राम रक्सापाली से धरदबोचा है। गिरफ्तार आरोपियों में पारस सोनी और कौशल चौहान शामिल हैं, जिन्हें घटना में प्रयुक्त बाइक व मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। दरअसल 1 मई को रानीगुड़ा निवासी समीर दास महंत ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने दो दोस्तों के साथ खरसिया बारात से लौटते वक्त पथरी नाला पुल ग्राम नंदेली के पास कुछ अज्ञात युवकों ने उनकी बाइक रोक कर हाथ मुक्के व बेल्ट से मारपीट करते हुए तीनों युवकों से तीन मोबाइल फोन व 3000 रुपये लूट लिए। ऐसे में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया था। मामले की तहकीकात में अब तक पुलिस ने पूर्व में गिरफ्तार दो आरोपियों दीपक सिदार और नैमीश मांझी समेत दो नाबालिगों से घटना में प्रयुक्त दो बाइक, 2 मोबाइल और 1300 रुपए बरामद कर उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया था।

52 मवेशियों के साथ दो तस्कर हुए गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

घरघोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कंचनपुर में बीती रात मवेशी तस्करी की बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो पशु तस्करों को 52 मवेशियों के साथ धर दबोचा। गौ सेवा में लगे संगठन की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। 25 जुलाई की रात्रि घरघोड़ा डॉयल 112 को मवेशी तस्करी संबंधी सूचना प्राप्त हुई थी। डॉयल 112 स्टाफ ने तत्काल थाना प्रभारी निरीक्षक कुमार गौरव को अवगत कर ग्राम कंचनपुर मेन रोड पर दबिश दी। मौके पर गौ सेवा संगठन के सदस्यों द्वारा दो पशु तस्करों को पकड़ा गया था, जो 52 मवेशियों को भूखे-प्यासे, मारते-पीटते क्रूरतापूर्वक बूचड़खाने ले जा रहे थे। पुलिस ने मौके से दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर सभी मवेशियों को सुरक्षित थाने लाया। इस संबंध में गौ-पुत्र सेना के घुदास महंत द्वारा लिखित आवेदन प्रस्तुत करने पर थाना घरघोड़ा में आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10, 11 व पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रामसिंह सिदार पिता स्व. घासीराम सिदार व सुखसाय सिदार पिता कार्तिक राम सिदार दोनों निवासी ग्राम कटघरा बैस्कीमुडा लैलूंगा के रूप में हुई है। दोनों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर भेजा गया है।

अग्रसेन प्रा. आई.टी.आई
ITI RAIGARH
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T.
New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)
• FITTER 2 Year (10th Pass)
उड़ीसा रोड़ , काशीराम चौक के पास, गढ़उमरिया, रायगढ़ (छ.ग.)
89595-93923 • 89595-44444

MARK OF SPECIALIZED EXCELLENCE

किडनी और यूरीन की सभी समस्याओं का इलाज अनुभवी विशेषज्ञों के साथ
यूरोलॉजी सेवाएं:
• लेजर से पथरी का इलाज –बिना चीरे
• बिना दर्द प्रोस्टेट ऑपरेशन
• पेशाब नली की सिकुड़न का इलाज
• किडनी और मूत्राशय के कैंसर का समय पर इलाज
• छोटे चीरे से, पथरी की सुरक्षित ऑपरेशन तकनीक (PCNL)
नेफ्रोलॉजी सेवाएं
• हेमो डायलिसिस
• पमकिथ टनल्ड डायलिसिस
• सीएपीडी (पेरिटोनियल डायलिसिस)
• किडनी बायोप्सी
MARK HOSPITAL
SERVING - CARING - HEALING SINCE 2013
Tertiary Care - Super Speciality Hospital
NABH Accredited Hospital
Chantidih Road, Sarkanda, Bilaspur 495006 (C.G.)
24x7 SERVICES • CT SCAN • PATHOLOGY • PHARMACY • ICU
FOR AMBULANCE CALL:- 9691700486
Contact No: 07752-796230, 9039028850
Website: www.markhospital.com
Email: Info@markhospital.com
AdPRAYAS

खबर संक्षेप

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के सचिव बने विजय

जशपुरनगर। दिल्ली में आयोजित रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) की कार्यसमिति के चुनाव में जशपुरनगर के वरिष्ठ और अनुभवी नेता विजय प्रसाद गुप्ता को एक बार फिर राष्ट्रीय सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह पद पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और संगठनात्मक कौशल के आधार पर दिया है। विजय प्रसाद गुप्ता, जो पूर्व में भी इस पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं, राजनीति में एक लंबा और समृद्ध अनुभव रखते हैं। उन्होंने जशपुर जैसे छोटे शहर से लेकर दिल्ली तक राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उनकी यह पुनर्नियुक्ति पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बनी है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विजय प्रसाद गुप्ता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले के करीबी और विश्वासपात्र सहयोगियों में गिने जाते हैं। उनकी संगठनात्मक - क्षमता और कार्यकर्ताओं के बीच उनकी मजबूत पकड़ ने उन्हें यह महत्वपूर्ण पद हासिल करने में मदद की है।

वाहन की टक्कर से गंभीर महिला की गई जान

अम्बिकापुर। बतौली थाना अंतर्गत ग्राम करदना निवासी मतिया एक्का पति स्व. बीरबल एक्का 23 जुलाई की दोपहर लगभग 3 बजे ग्राम करदना से अपनी बेटी के यहां पैदल ग्राम देवरी डुमरपारा जा रही थी। जैसे ही ग्राम झरगवां के समीप पहुंची तभी विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए टक्कर मार फरार हो गया। दुर्घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इधर घटना की जानकारी लगने पर परिजन घायल महिला को शांति पारा अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। घटना की रिपोर्ट पुत्र जयराम एक्का ने थाने में दर्ज कराई। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के विरूद्ध धारा 106(1) के तहत अपराध दर्ज किया है।

रंजिश को लेकर ग्रामीण से मारपीट, अपराध दर्ज

अम्बिकापुर। घर के सामने बैठे ग्रामीण को गांव के ही एक परिवार के सदस्यों पुरानी रंजिश को लेकर जमकर पिटाई कर दी। रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार रामानुजनगर थाना अंतर्गत ग्राम परशुरामपुर निवासी बाबूलाल अगरिया गुरुवार की शाम घर के सामने बैठा था। इसी दौरान गांव के ही सुखसाय अपने पुत्र संजय व दामाद के साथ पहुंचा और पुरानी रंजिश को लेकर गाली गलौज करने लगा। जब बाबूलाल ने गाली देने से मना किया तो तीनों ने मिलकर उसकी बेदम पिटाई कर दी। इधर घटना को देख गांव के लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। पीड़ित बाबूलाल ने घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 3(5), 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया है।

पलटा गिट्टी लोड वाहन, तीन घंटे एनएच 343 रहा बंद

बलरामपुर। शुक्रवार को एनएच 343 पर गिट्टी लोड ट्रक के बीच सड़क पर पलट जाने से राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन बंद हो गया। इस दौरान तीन घंटे से अधिक समय तक राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित रहा। आवागमन बंद होने से सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची हाइवे पेट्रोलिंग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आवागमन शुरू कराया। इस दौरान बीच जंगल में जाम में फंसे लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि हाईवा वाहन क्रमांक सीजी 30 एफ 5617 अंबिकापुर की तरफ से गिट्टी लोड़कर रामानुजगंज की तरफ जा रहा था। इस दौरान दोपहर 12 बजे एनएच 343 पर सेमरसोत और पस्ता के बीच जर्जर सड़क और तेज रफ्तार के कारण वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। वाहन के पलटने के बाद ट्राला में लोड गिट्टी बीच एनएच पर फैल गया जिससे मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया। सडक पर बंद होने की जानकारी लोगों ने पुलिस व हाईवे पेट्रोलिंग को दी।

सन्ना में तीरंदाजी अकादमी के लिए 20 करोड़ की मिली स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बगीचा विकास खंड के सन्ना तहसील में आरचेरी अकादमी बनाने के लिए 20 करोड़ 53 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति दे दी गई है। एनटीपीसी ने सीएसआर फंड से यह राशि दी गई है।

तीरंदाजी अकादमी में दूरस्थ अंचलों के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा बच्चों और अन्य आदिवासी बच्चों को खेल अभ्यास कराया जाएगा ताकि बच्चे अपनी प्रतिभा राज्य से लेकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर दिखा सके। मुख्यमंत्री ने कहा खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है। तीरंदाजी केन्द्र में अभ्यास के लिए एक खेल मैदान, छोटा पुस्तकालय, मेडिकल की सुविधा, बच्चों का कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र, छोटा नर्सरी और हर्बल चाय की खेती की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उल्लेखनीय है कि आरचेरी एक खेल और कला है जिसमें धनुष और बाण का उपयोग करके लक्ष्य पर निशाना लगाया जाता है। यह एक प्राचीन गतिविधि है। धनुष यह एक लचीली वस्तु होती है जिससे बाण को छोड़ा जाता है। बाण नुकीला तीर जिसे लक्ष्य पर छोड़ा जाता है। लक्ष्य जिस पर निशाना लगाया जाता है, आमतौर पर एक गोल आकृति होती है जिसमें अलग-अलग रंग और स्कोर क्षेत्र होते हैं। निशाना लगाने की तकनीक इसमें एकाग्रता, संतुलन और शरीर की स्थिरता बहुत जरूरी होती है। भारत में आरचेरी का गहरा इतिहास है। महाभारत और रामायण में भी धनुर्विद्या का उल्लेख है। आधुनिक खेलों में भारत के खिलाड़ी जैसे दीपिका कुमारी और अतनु दास ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

- दूरस्थ अंचलों के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा और अन्य बच्चों को भी मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री ने दी बड़ी सौगात

फरसाबहार में बनेगा विश्राम गृह

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने घोषणा को प्राथमिकता से पूरा भी कर रहे हैं। इसी कड़ी में विगत दिवस तपकरा प्रवास के दौरान फरसाबहार में विश्राम गृह बनाने की घोषणा की थी। जिसके लिए 1 करोड़ 72 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति भी दे दी है। मुख्यमंत्री ने तपकरा को नगर पंचायत बनाने व स्थित खेल स्टेडियम के सौंदर्यीकरण के लिए 50 लाख रुपए देने और फरसाबहार में विश्राम गृह निर्माण करने की घोषणा की थी।

- 28 जून को सीएम ने की थी घोषणा

तहसील कार्यालय शुरू होने से लोगों को मिल रहा लाभ

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयास से आम जनता को अधिकांश कार्यों के लिए राजस्व विभाग की जरूरत पड़ती है। तहसील कार्यालय खुलने से इसका लाभ यहां की नागरिकों मिल रहा है। श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार मोदी की गारंटी को तेजी से लागू कर रही है। सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए। आवास प्लस प्लस के तहत जिसके पास 5 एकड़ असिंचित भूमि, 2.50 एकड़ सिंचित भूमि, टू व्हीलर और 15 हजार की आमदनी है उन्हें भी इस योजना का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान 3 लाख हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया था। महिलाओं को सशक्त बनाने महतारी वंदन योजना ने माध्यम से 70 लाख महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपए दिए जा रहे हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों की आमदनी में इजाफा के लिए तेंदू पत्ता प्रति मानक बोरा 5500 रुपए किया गया है। गांव में ही बैंकिंग की सुविधा मिले इसके लिए अटल डिजिटल सुविधा केंद्र खोले जा रहे हैं। आगामी पंचायत दिवस को सभी ग्राम पंचायतों में इसे शुरू करने की योजना है।

विश्राम गृह की स्वीकृति मिलने पर जनप्रतिनिधियों ने जताया आभार

घोषणा अनुरूप फरसाबहार में विश्राम गृह की स्वीकृति मिलते ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों के हर्ष व्याप्त है, उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार प्रकट किया है।

हिमाचल व दिल्ली से नाबालिगों की हुई दस्तयाबी

सप्ताह भर में छह नाबालिग बच्चियां परिजनों से मिलाई गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

जिले में गुम हुए बच्चों की तलाश के लिए चलाया जा रहा ऑपरेशन मुस्कान अब उम्मीद की मिसाल बनता जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देश में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के तहत जशपुर पुलिस ने विगत एक सप्ताह के भीतर छह नाबालिग बच्चियों को सकुशल खोजकर उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। इनमें से दो बच्चियों को हिमाचल प्रदेश और दिल्ली से बरामद किया गया, जो पुलिस की सतर्कता और प्रतिबद्धता का परिणाम है।

- ऑपरेशन मुस्कान बना गुमशुदा बच्चों के लिए आशा की किरण

हिमाचल से लाई गई नाबालिग, आरोपी गिरफ्तार

थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से 6 अगस्त 2024 को 17 वर्षीय किशोरी रहस्यमय तरीके से घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने आसपास व रिश्तेदारों में खोजबीन की, पर जब कहीं पता नहीं चला, तो पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने गुम इंसान व बीएनएस की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।तकनीकी टीम की सहायता से पता चला कि किशोरी हिमाचल प्रदेश के योल, जिला कांगड़ा में एक युवक राजेश राम उम्र यादव 27 के साथ है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम हिमाचल रवाना हुई और किशोरी को युवक के कब्जे से मुक्त कराया गया।

शादी का झांसा देकर भगाया,किया दुष्कर्म

पूछताछ में पता चला कि आरोपी ने लड़की को शादी का झांसा देकर भगाया था।पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 64(2), 87, 96 तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6 के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। किशोरी को परिजनों को सौंप दिया गया।

दिल्ली में मिली दोकड़ा की किशोरी

इसी ऐसी तारतम्य में दोकड़ा चौकी क्षेत्र की एक 16 वर्षीय किशोरी के पिता ने 2 जुलाई 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी बेटी बिना बताए घर से चली गई है। परिजनों को शक था कि वह दिल्ली में काम की तलाश में गई है।पुलिस ने बीएनएस की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज कर खोजबीन शुरू की। जांच के दौरान जानकारी मिली कि किशोरी दिल्ली स्थित श्निर्मल छाया चिल्ड्रन होमश् में है। पुलिस टीम ने दिल्ली जाकर उसे दस्तयाब किया और सकुशल परिजनों के हवाले किया।पूछताछ में लड़की ने बताया कि वह खुद दिल्ली गई थी, किसी ने बहकाया नहीं था।

4 बच्चियां भी सकुशल लाई गईं घर

इन दो मामलों सहित जशपुर पुलिस ने कुल 6 नाबालिग बच्चियों को अलग-अलग स्थानों से तलाश कर उनके मां-बाप के आंसुओं को मुस्कान में बदला। यह उपलब्धि पुलिस की सजगता, संवेदनशीलता और सतत प्रयासों का परिणाम है।

हर गुम बच्चा हमारी प्राथमिकता

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत हमारी पहली प्राथमिकता गुमशुदा बच्चों को सकुशल ढूंढकर परिवार से मिलाना है। प्रदेश के भीतर ही नहीं, बाहर भी हमारी टीम लगातार तत्पर रहती है। इस सप्ताह की सफलता हमारे संकल्प का उदाहरण है।"

मृतक रामकुमार का शव मुंबई से पहुंचा गृह ग्राम

वाहन से शव उतारते परिजन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की संवेदनशील पहल पर जिले के कुदमुरा पतराटोली, तहसील बगीचा निवासी मृतक राम कुमार हरमा का शव मुंबई से उनके गृह ग्राम पहुंचाया गया है। मुंबई में हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में ट्रेन से गिरने पर उनकी मृत्यु हो गई थी। कुदमुरा पतराटोली के वार्ड क्रमांक 01 में रहने वाले मृतक राम कुमार के परिजनों ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में आकर उनका शव गृह ग्राम लाने में सहायता के लिए निवेदन किया था।

- परिजनों ने सीएम कैंप कार्यालय बगिया में की थी मदद की अपील

मिली मदद बनी संबल

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए त्वरित पहल की और मृतक राम कुमार हरमा का शव मुंबई से लाने की कार्यवाही शुरू हो गई। आज सुबह लगभग सुबह साढ़े 4 बजे शव ट्रेन के माध्यम से झारसुगड़ा पहुंची। इसके बाद मुक्तांजली के माध्यम से उनका शव गृह ग्राम कुदमुरा पतराटोली लाया गया। किसी परिजन की असमय मृत्यु परिवार के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है, और वह भी जब ऐसी घटना घर से दूर घटित हो। ऐसी स्थिति में अंतिम संस्कार की प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके यह परिवार की पहली इच्छा होती है। इस कठिन घड़ी में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय द्वारा की गई त्वरित और मानवीय पहल ने परिजनों को मानसिक संबल प्रदान किया।

शिक्षकों का पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण संपन्न

रायगढ़। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के तत्वावधान में माण देसी ट्रैवल चैंपियन द्वारा संचालित पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस विशेष प्रशिक्षण में जिले के सातों विकासखंडों के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं से चयनित कुल 115 शिक्षक प्रतिभागियों ने भाग लिया, प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रभावी हस्तक्षेप करना रहा। प्रतिदिन प्रशिक्षण के सैद्धांतिक सत्र रायगढ़ के सृजन सभा कक्ष में आयोजित हुए जबकि प्रायोगिक सत्र रायगढ़ स्टेडियम बोइरदादर में संपन्न हुए। जहां शिक्षकों को स्वयं खेल मैदान तैयार करने, खेल तकनीक, व्यायाम, नींद, पोषण और मांसपेशियों की मजबूती से संबंधित गहन जानकारी दी गई। कार्यक्रम की रूपरेखा जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.केवी राव, डीएमसी नरेंद्र चौधरी तथा कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी एवं एपीसी भुवनेश्वर पटेल के नेतृत्व में तैयार की गई।

- प्रशिक्षण में सभी विकासखंडों के शिक्षकों ने लिया भाग

पांच दिवसीय प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य जिसमें एथलेटिक्स, खो खो, कबड्डी, गोला फेक, भाला फेक, लम्बी कूद, ऊंची कूद आदि खेलों की तकनीक का प्रशिक्षण मांसपेशियों को मजबूत करने के व्यायाम, नींद और संतुलित पोषण के प्रति जागरूकता, खेलों के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने की प्रेरणा देना सामान्य जीवन कौशल जैसे संवाद कौशल, आत्म सम्मान, साहस और व्यक्तित्व विकास को सशक्त बनाना, खेल के इतिहास पर व्याख्यानों के माध्यम से बौद्धिक दृष्टिकोण का विस्तार करना रहा। यह कार्यक्रम न केवल शिक्षकों के स्वास्थ्य और खेल शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में कारगर साबित हुआ, बल्कि इससे वे अपने विद्यालयों में बच्चों को एक जागरूक, स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने में और अधिक सक्षम बन सकेंगे। माण देशी चैंपियन ट्रैवल कोच प्रोग्राम के माध्यम से खेल माध्यम से रायगढ़ जिले में सरकारी स्कूलों की शारीरिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक सशक्त पहल की गई है। जिसका व्यापक सकारात्मक प्रभाव आने वाले समय में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और उनके जीवन कौशल पर दिखाई देगा। माण देशी फाउंडेशन एवं जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा के संयुक्त प्रयास से फाउंडेशन के प्रमुख प्रभात सिंह, संस्थापक, ओंकार गुंजारी, निदेशक, प्रवीण फोगरे, मुख्य कोच, हनुमंत घोरपडे, सीनियर कोच, सनिका, कोच, सुशांत आवले, सहायक कोच, अनुराग शिंदे इतिहासकार एवं अमीन अमरी इंटर्न, इन्हीं विशेषज्ञों द्वारा सभी शिक्षकों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ साल एवं मोमेंटो से सम्मानित करते हुए सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी और नोडल अधिकारी भुवनेश्वर पटेल के नेतृत्व में रायगढ़ डीएसओ जीवनलाल नायक, बीआरसी मनोज अग्रवाल, व्याख्याता बीर सिंह, सीएससी राजकमल पटेल, सुशील चौहान, विकाश पटेल, श्रीमती आशा यादव, धर्मेंद्र कोर्चे, निवास साव, गेंद कुमार पटेल, पीटीआई प्रभुदत्त पाढ़ी, प्रधान पाठक का विशेष योगदान रहा।

लोखंडी स्कूल में मनाया गया कारगिल विजय दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लोखंडी में शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत नजर आया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने गीत, कविताएं, भाषण और चित्रों के माध्यम से वीर जवानों के साहस को सलामी दी।कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती बुनकर ने दीप प्रज्वलन और शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की। इस दौरान सभी ने दो मिनट का मौन रखकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

- वीर शहीदों को याद कर भावुक हुए छात्र
- देशभक्ति के नारों गूंजा परिसर

प्राचार्य ने दिया प्रेरक संदेश: कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य श्रीमती बुनकर ने अपने उद्बोधन में कहा, "हमें अपने शहीदों के बलिदान को कभी नहीं भूलना चाहिए। उनकी कुर्बानी से ही आज हम स्वतंत्र हैं। हमें उनके बताए रास्ते पर चलकर देश के विकास में योगदान देना चाहिए।"उन्होंने बच्चों को सच्चा नागरिक बनने का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में सभी शिक्षकगण, विद्यार्थी और ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

देशभक्ति से सराबोर प्रस्तुति

छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों और कविताओं ने समां बांध दिया। बच्चों ने चित्रकला और भाषण के जरिए कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के शौर्य का चित्रण किया। इन प्रस्तुतियों ने न केवल वातावरण को भावुक किया, बल्कि हर किसी के मन में देशप्रेम की भावना को भी प्रबल किया।

वीरता की कहानी सुन हुए प्रेरित

संस्था की व्याख्याता आशा एरेन लकड़ा ने कारगिल युद्ध के ऐतिहासिक संदर्भों को साझा करते हुए बताया कि कैसे विषम परिस्थितियों में भी भारतीय सैनिकों ने दुश्मनों को पीछे धकेलकर देश की रक्षा की। उन्होंने कहा, "कारगिल विजय दिवस सिर्फ जीत का प्रतीक नहीं, बल्कि यह भारतीय सेना की अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्रभक्ति की पहचान है।"

जल रिसाव दे रहा खतरे का संकेत

खमगड़ा बांध में भरा लबालब पानी, अलर्ट की स्थिति

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोतबा

जिले के करीब कोतबा में स्थापित खमगड़ा जलाशय परियोजना में जलस्तर के खतरनाक स्तर तक पहुंचने से स्थिति चिंताजनक हो गई है। स्थिति ऐसी बनी है कि ओवर फ्लो से पानी बहकर जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय के बाद लगातार 60 घंटों से हो रही बारिश के कारण यह स्थिति देखने को मिल रही है।

जलस्तर बढ़ने की जानकारी के बाद तटीय इलाकों में बसे लोग बड़ी संख्या में देखने को जा रहें है.तटीय इलाकों के रहवासियों को डर बना हुआ है कि बाढ़ का पानी उनके घरों में तो नही पहुच जायेगा.इधर बढ़ते जलस्तर को देखकर गांव के मत्स्य समिति के लोग बड़ी संख्या में एकजुट होकर ओवर फ्लो हो रहे जगह पर लकड़ी के खंबे गाड़कर उसमें जाली लगाकर मछलियों की सुरक्षा में लगे हुये हैं.मत्स्य समिति के अध्यक्ष सहित पूर्व सरपंच गुलाब पैंकरा,मिनिकेतन चौधरी,भुवनेश्वर चौधरी सहित अन्य लोगों ने बताया कि जलसंसाधन विभाग को लगातार हो रही बारिश को मद्देनजर रखते हुये इसका समाधान करना चाहिये.ताकि समय रहते बढ़ते जलस्तर से होने वाले नुकसान को रोका जा सके। बिडम्बना है कि खमगड़ा जलाशय परियोजना को लगभग 22 वर्ष हो गये इसके बावजूद किसानों के खेतों तक जाने वाली नहरों का पिचिंग कार्य नही किया गया है.जिसके कारण प्रतिवर्ष मनरेगा से लाखों रुपयों से खरपतवार और मिट्टी का कार्य किया जाता है.जो एक वर्ष बाद फिर वही स्थिति में आ जाती है.इससे मनरेगा जैसे योजनाओं का शासन के रुपयों का बंदरबाट होता है.जीवनदायिनी खमगड़ा जलाशय परियोजना ने कोतबा क्षेत्र के किसानों को नई पहचान दी है.इस परियोजना से किसान आत्मनिर्भर बने हैं. लेकिन इस परियोजना का समुचित लाभ सभी लोगों को नही मिल रहा है.22 साल बाद भी यह बांध आज भी अधूरे हैं.जिससे किसानों को किसी भी प्रकार कोई कर देना नही पड़ता है. हजारों लोगों के जीवन मे बदलाव लाने वाली इस परियोजना के कई सार्थक पहलू भी हैं. लेकिन प्रशासन की अनदेखी से आज भी अधूरी पड़ी हुई है.जिसके कारण नये निर्माण की स्वीकृति नहीं मिलने की बात अधिकारी कह रहें है।

- मुख्य गेटवाल बंद
- ओवर फ्लो से बह रहा पानी

गड्ढे दे रहे खतरे का संकेत: खमगड़ा जलाशय डेम की मुख्य मेड़ में कई स्थानों में गड्ढे बने हुए दिखाई दे रहे है। साथ ही डेम के कुछ हिस्सों से जल रिसाव भी हो रहा है। 22 सालो से अधूरे पड़े डेम की स्थिति जर्जर हालत गंभीर समस्या खड़ी कर सकती है। गड्ढो को देखने से लगता है कि मिट्टी कई स्थानों में बैठ गई है। अधिक जल भराव की स्थिति में बांध की सुरक्षा व्यवस्था पर भी खतरा बना हुआ है।

गेट खोलने से होगा किसानों को नुकसान: बढ़ते जलस्तर को ओवर फ्लो के माध्यम से ही निकासी किया जाना है.अगर बांध के मुख्य गेटवाल को खोल दिया जाये तो किसानों के फसलें नुकसान होगी, साथ ही अपूर्ण नहरों को नुकसान होगा।

-नरेंद्र सिन्हा, एसडीओ
जलसंसाधन विभाग पत्थलगांव

बहकर रेण नदी में पहुंच गया था युवक का शव, किया गया बरामद

अंबिकापुर। बाइक समेत खर्रा नदी में गिरे दूसरे युवक का शव भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। युवक का शव बहते हुए सिंगीटाना तक पहुंच गया था। पुलिस ने शुक्रवार को दोनों युवकों के शवों को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है। एक साथ दो युवकों की मौत से क्षेत्र में शोक का माहौल है जबकि युवकों के परिजन सदमे में है। पुलिस द्वारा मामले में मर्ग कायम किया गया है। बता दें कि बेलखरिखा पलगढ़ी निवासी 20 वर्षीय हिमांशु आ. अमय लाल अपने दोस्त 17 वर्षीय कार्तिकेय सिंह आ. सतेन्द्र सिंह को साथ लेकर 23 जुलाई की रात कलगसा जा जाने के नाम पर निकला था। युवक की मां कलगसा में थी लेकिन दोनों युवक ग्राम कलगसा नहीं पहुंचे थे। 24 जुलाई की सुबह खर्रा नदी में एक युवक का शव बरामद किया गया था।

वॉर 2 का ट्रेलर रिलीज, ऋतिक और जूनियर एनटीआर के बीच दिखी टक्कर

मुंबई। दर्शकों का इंतजार खत्म हुआ और ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वॉर 2' का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज हो गया। ट्रेलर ऋतिक और जूनियर एनटीआर के बीच जबरदस्त क्लैश देखने को मिली, जो ये सबूत देती है कि फिल्म में दोनों के बीच हाई लेवल एक्शन देखने को मिलेगा। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होते ही अब सोशल मीडिया पर भी छा गया है। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित 'वॉर 2' स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पहले 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ट्रेलर की शुरुआत होती है ऋतिक रोशन के वॉइस ओवर और उनके इंटेंस लुक के साथ। चेहरे पर हल्का सा खून लगे ऋतिक एक भेड़िये के साथ नजर आते हैं। साथ में उनका वॉइस ओवर है जिसमें वो अपनी शपथ को दोहराते हैं। इसमें ऋतिक कहते हैं 'मैं शपथ लेता हूं कि मैं अपना नाम, अपनी पहचान, अपना घर-परिवार सब त्यागकर एक गुमनाम, बेनाम अनजान साया बन जाऊंगा।' इसके बाद दिखते हैं जूनियर एनटीआर और इसी तरह की एक शपथ जूनियर एनटीआर भी दोहराते हैं।

लाइफ Style

किआरा

बिकिनी अवतार में फिर मचाई धूम

एजेंसी ⏭ मुंबई

किआरा आडवाणी की झलक पहले ही 'वॉर 2' के टीजर में दिखाई जा चुकी है। कुछ सैकेंड्स की किआरा की झलक ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था। वहीं शुक्रवार को वॉर 2 के ट्रेलर में उनका बिकिनी लुक एक बार फिर से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस साल की शुरुआत में जब वॉर 2 का टीजर रिलीज हुआ, तो किआरा आडवाणी के शानदार लुक ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया।

शुक्रवार को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने पर प्रशंसकों ने किआरा के दमदार अवतार की जमकर तारीफ की। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ-साथ किआरा के एक्शन सीन और आकर्षक लुक ने सबका ध्यान खींचा। हाल ही में मां बनीं किआरा वॉर 2 के ट्रेलर में बिकिनी में अपनी टोन्ड बॉडी और आत्मविश्वास के साथ नजर आईं। उनका यह लुक प्रशंसकों को बहुत पसंद आया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके स्क्रीनशॉट वायरल हो गए।

कुछ लोग उन्हें 'सबसे हॉट' बता रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि उनका एक्शन से भरा किरदार सभी को हैरान कर देगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फैशन स्टाइलिस्ट अनाइता श्रॉफ अदजानिया ने किआरा का लुक डिजाइन किया है। उन्होंने बताया कि किआरा का बिकिनी लुक एक खास रंग में है - न हरा, न पीला, बल्कि इनके बीच का एक अनोखा रंग जो सभी को आकर्षित करता है। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी वार यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म है, जो 2019 की सुपरहिट फिल्म वॉर की अगली कड़ी है। यह एक एक्शन फिल्म है। फिल्म की रिलीज को लेकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। । ट्रेलर में किआरा आडवाणी भी जबरदस्त एक्शन करती नजर आई हैं। बंदूक चलाने से लेकर फाइट करने तक किआरा का दमदार अंदाज देखने को मिला है।

हॉलीवुड मसाला

भारत में ये फिल्म 17 हफ्ते रही हाउसफुल

नई दिल्ली। 31 साल पहले जब स्टीवन स्पीलबर्ग की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जुरासिक पार्क' भारत में रिलीज हुई, तो इसने दर्शकों के बीच ऐसा जादू बिखेरा कि सिनेमाघरों में हाउसफुल का रिकॉर्ड टूट गया। साल 1994 में मुंबई के स्टर्लिंग थिएटर में इस फिल्म की रिलीज के दौरान लंबी-लंबी कतारें देखी गईं, जो वीटी स्टेशन तक फैली हुई थीं। यह फिल्म लगातार 17 हफ्तों तक हाउसफुल रही और कुल 25 हफ्तों तक सिनेमाघरों में चलती रही। जुरासिक पार्क की इस शानदार सफलता ने न केवल भारत में हॉलीवुड फिल्मों की लोकप्रियता को बढ़ावा दिया, बल्कि यह यूनिवर्सल पिक्चर्स की भारत के साथ पहली बड़ी साझेदारी भी थी।

हैली बीबर को हुआ था मौत के करीब होने का एहसास

लॉस एंजिल्स। देश-दुनिया में अपने गानों और पर्सनल लाइफ के लिए फेमस जस्टिन बीबर की वाइफ हैली बीबर ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। दोनों के घर पिछले साल बेटे का जन्म हुआ था। उसका नाम जैक ब्लूज रखा था। अब हैली ने बताया कि कैसे बेटे की डिलीवरी उनके लिए मौत के करीब का अनुभव था। उनका एम्नियोटिक फ्लूड ड्यू डेट से पहले ही लीक हो गया था और बेटे को जन्म देने के बाद भी लगातार ब्लीडिंग हो रही थी। हैली बीबर ने बताया कि समय से पहले एम्नियोटिक फ्लूड लीक होने के बाद उन्हें डॉक्टर के पास ले जाया गया। डॉक्टर ने ऑक्सीटोसिन का इस्तेमाल करके प्रसव पीड़ा करने का फैसला किया। उन्होंने ये भी बताया कि डॉक्टर्स ने एक 'फोली बैलून' एक कैथेटर जैसी डिवाइस उनके यूट्रस में डाल दी और गर्भाशय ग्रीवा (सर्विक्स) को फैलाने के लिए उसमें सलाइन का घोल भर दिया। सर्विक्स गर्भाशय का निचला हिस्सा होता है, जो योनि से जुड़ता है और डिलीवरी के दौरान बच्चे के बाहर निकलने का रास्ता होता है। हैली ने उस दर्दनाक पलों को याद करते हुए कहा, 'ये मेरी लाइफ की सबसे दर्दनाक घटना थी।

इब्राहिम और काजोल की अदाकारी ने जीता दिल

मुंबई। बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री काजोल, साउथ के अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन और इब्राहिम अली खान की अदाकारी वाली फिल्म सरजमीं 25 जुलाई को रिलीज हो गई है। फिल्म कश्मीर की पृष्ठभूमि पर आधारित है। एक्शन थ्रिलर फिल्म में देशभक्ति भी दिखाई गई है। फिल्म को देखने के बाद कई दर्शक इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने लिखा 'सरजमीं ने मुझे रुला दिया। फिल्म ने जो संदेश दिया है, इसके लिए उसकी तारीफ की जानी चाहिए। काजोल का अंत का खास दृश्य सिनेमा हॉल की सीटियों और जयकारों का हकदार है। इस किरदार को निभाने के लिए शुक्रिया। आपने एक बार फिर साबित कर दिया कि भावनाओं और गुस्से से भरी भूमिका में आप कमाल कर देती हैं। एक और दर्शक ने फिल्म में काजोल की तारीफ की है।

भारतीय जोड़ों की जिंदगी से जुड़ी है कहानी

मुंबई। विजय सेतुपति और नित्या मेनन की फिल्म 'थलाइवन थलाइवी' शुक्रवार 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म को देख कर दर्शक एक्स पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने फिल्म की जमकर तारीफ की है। उन्होंने एक्स पर लिखा है 'थलाइवन थलाइवी फिल्म कुछ ही सिनेमाघरों में क्यों लगाई गई है? भारतीय जोड़ों को यह फिल्म बहुत पसंद आएगी। यह उनकी जिंदगी से जुड़ी है।' एक एक्स यूजर ने फिल्म में विजय सेतुपति की तारीफ करते हुए लिखा है 'विजय सेतुपति ने हमें मर्दाना रूढ़ियों के बजाय भरोसेमंद नायक दिया है। थलाइवन थलाइवी में उन्होंने ऐसा ही किरदार निभाया है।' एक और सोशल मीडिया यूजर ने लिखा है 'थलाइवन थलाइवी पारिवारिक दर्शकों के लिए बहुत अच्छी फिल्म है।

टीवी मसाला

टीआरपी लिस्ट में ये रिश्ता क्या कहलाता है ने मारी बाजी

नई दिल्ली। पिछले कुछ हफ्तों से टॉप पोजिशन पर तारक मेहता का उल्टा चश्मा बना हुआ था, लेकिन इस हफ्ते ये रिश्ता क्या कहलाता है ने मारी बाजी है। वहीं, रुपाली गांगुली का पॉपुलर सीरियल तमाम ट्विस्ट के बावजूद पिछड़ रहा है। वह फिर से टॉप पोजिशन हासिल नहीं कर पा रहा है। 28वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में ये रिश्ता क्या कहलाता है ने टॉप पोजिशन हासिल की है। इसकी टीआरपी 2.1 की रही है। वहीं, रुपाली गांगुली का सीरियल अनुपमा 2.1 की ही टीआरपी के साथ दूसरे नंबर है। सीरियल अनुपमा में कई ट्विस्ट आ रहे हैं, मगर सीरियल पहले की तरह टॉप पोजिशन हासिल नहीं कर पा रहा है। पिछले कुछ हफ्तों से सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा टीआरपी लिस्ट में टॉप पर बना हुआ था। मगर इस हफ्ते यह टीआरपी लिस्ट में तीसरे स्थान पर है। कुछ दिन पहले इस कॉमिक शो में हॉरर एंगल शामिल किया गया, जिसे दर्शकों को काफी पसंद किया था। यह सीरियल लगभग 17 साल से टीवी पर टेलीकास्ट हो रहा है। इस हफ्ते इसकी टीआरपी 2.1 रही है।

टीवी का वो शो जिसके डायरेक्टर ने हर आर्टिस्ट को दी थी गिफ्ट में कार

नई दिल्ली। 90 के दशक में कई ऐसे टीवी सीरियल्स आए, जिसने लोगों को अपना दीवाना बना दिया। यही नहीं, जब भी लोग इन सीरियल्स के एपिसोड को देखते थे, उनका हंस- हंस कर पेट में दर्द हो जाता था। ऐसे ही एक सीरियल की हम बात कर रहे हैं, जिसके हर किरदार को लोगों ने पसंद किया। लोगों ने इस सीरियल को इस कदर पसंद किया कि डायरेक्टर को एपिसोड की संख्या बढ़ानी पड़ी। बता दें, इस शो के सफल होने पर डायरेक्टर ने अपने हर एक कलाकार को मारुति कार तोहफे में दी थी।

जिस शो की हम बात कर रहे हैं, उसका नाम 'देख भाई देख' था, जो 31 साल पहले 6 मई को आया था। इसमें तीन पीढ़ियों वाले एक परिवार और उनकी परेशानियां को काफी मजेदार अंदाज में दिखाया गया था। उस समय दर्शकों को यह शो काफी पसंद आया था। उस जमाने में जब टीवी शोज पर 13 एपिसोड की सख्त पाबंदी थी. ऐसे में 'देख भाई देख' को 26 एपिसोड के साथ पेश किया गया था, जिसका एक एपिसोड हर हफ्ते दूरदर्शन पर प्रसारित होता था।

तन्वी द ग्रेट के फ्लॉप होने से टूट गए अनुपम

मुंबई। अनुपम खेर तकरीबन 23 साल बाद निर्देशक की कुर्सी पर दोबारा बैठे और तन्वी द ग्रेट नाम की फिल्म लाए। फिल्म को रिलीज हुए अब एक हफ्ते का समय बीत चुका है, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई। यही नहीं लगभग 50 करोड़ रुपए के बजट से बनी यह फिल्म एक हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर 2 करोड़ रुपए की भी कमाई नहीं कर पाई है। अनुपम खेर इस फिल्म में निर्देशक और अभिनेता होने के साथ-साथ प्रोड्यूस भी हैं। ऐसे में फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर सफल न हो पाने से अनुपम खेर निराश है। उनका कहना है कि वो अभी तक एक्टर्स की फीस भी नहीं दे पाए हैं। एक बातचीत में अनुपम खेर ने तन्वी द ग्रेट के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन न कर पाने पर निराशा जताई। निर्देशक-निर्माता ने कहा कि तन्वी ने कोई जबरदस्त कलेक्शन या कुछ भी नहीं दिया है। पिछले 10 साल से सिनेमा बिजनेस की तरह हो गया है। हमें लगता है कि अगर फिल्म की कमाई अच्छी नहीं हुई तो मतलब फिल्म अच्छी नहीं है। मैं भी इस बिजनेस वर्ल्ड का हिस्सा हूं। लेकिन, जब हमने बजट बनाया वो 50 करोड़ के आस-पास हुआ। एक जेंटलमेन थे, जिन्होंने कहा कि वह 50 प्रतिशत देंगे बजट का जो कि एक बड़ा अमाउंट है। सब तैयारी हो गई और फिर शूट से 1 महीने पहले मुझे बताया गया कि वह फिल्म को फाइनेंस नहीं कर पाएंगे। अचानक फाइनेंसर के पीछे हटने से अनुपम को दूसरे स्वतंत्र फाइनेंसर पर निर्भर होना पड़ा। इसको लेकर अनुपम का कहना है कि मैंने भारत के अलावा यूएस में भी अपने कुछ दोस्तों को कॉल किया। हमारी फिल्म के 10 को-प्रोड्यूसर्स थे। यह एक तरह क्राउड फंडिंग है। मैंने उन्हें फिल्म का सिनोप्सिस भेजा और उनका फिल्म से कोई लेना-देना नहीं था। वो सभी बिजनेसमैन हैं और सिर्फ बैंक में काम करते हैं या डॉक्टर्स हैं। मैंने उन्हें कहा कि जब फिल्म रिलीज होगी तब मैं पैसे वापस कर दूंगा।

रिलीज हुई लोककथाओं में लिपटी मर्डर मिस्ट्री

मुंबई। नेटफ्लिक्स पर आई नई माइथोलॉजिकल सस्पेंस थ्रिलर सीरीज मंडला मर्डर आपको सीधे चरणदासपुर गांव की रहस्यमयी गलियों में ले जाती है। ये कहानी है ऐसी जगह की, जहां सदियों पुरानी लोककथाएं, खून से सनी बलि-प्रथाएं और पुलिस की तफ्तीश, सब एक ही धागे में गुथे हुए हैं। आठ एपिसोड की इस सीरीज में आपको 1950 के दशक से लेकर 2025 के मॉडर्न दौर तक टाइम-ट्रैवल पर टाइम-ट्रैवल मिलता है-और हर एपिसोड में एक नया राज सामने आता है।

कहानी : *गांव में एक के बाद एक खौफनाक मर्डर हो रहे हैं, हर बार लाश से कोई न कोई अंग गायब मिलता है। लोकल पुलिस परेशान है। इसी बीच दिल्ली से तेज-तर्रार सीबीआई अफसर रिया (वाणी कपूर) बुलाया जाता है, जो केस को अपने ढंग से सुलझाने की कोशिश करती है। एक सस्पेंडेड पुलिस अफसर विक्रम (वैभव गुप्ता) इसमें रिया की मदद करता है। दोनों जैसे-जैसे आगे बढ़ते हैं, केस और भी खौफनाक मोड़ लेने लगता है।*

अभिनय : सुरवीन चावला ने अपने किरदार में जान डाल दी है। वैभव गुप्ता की आंखों में जो गुस्सा और टूटा हुआपन दिखता है, वो दिल को छूता है। वाणी कपूर ने भी सीबीआई अफसर के रोल में अच्छा काम किया है, बस उनका ट्रैक थोड़ा अधूरा सा लगता है, लेकिन बोर नहीं करता। कहानी थोड़ी अलग है। कैमरा वर्क और लोकेशन्स जैसे कि गांव की गलियां, पुरानी हवेलियां और डरावने जंगल वाकई लाजवाब हैं। सीरीज का लुक एंड फील एकदम ग्रिपिंग है।

कमजोरी : कहानी में इतने पेंच हैं कि कई बार दिमाग चकरा जाता है। असली विलेन कौन है, ये समझते-समझते काफी वक्त लग जाता है। कुछ एपिसोड थोड़े स्लो लग सकते हैं, खासकर अगर आप बिंज-वॉच के मूड में हो तो धैर्य रखना जरूरी है। क्लाइमैक्स की बात करें तो वो थोड़ा हल्का-सा लगता है, मतलब शुरुआत जितनी डरावनी थी, एंडिंग उतनी दमदार नहीं है।

कहानी ने छू लिया था लोगों के दिलों को, झटक लिए थे 49 अवॉर्ड

12 साल पहले सैयारा जैसा ही था इस मूवी का क्रेज

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अहान पांडे और अनीत पड्डा की रोमांटिक फिल्म सैयारा का खुमार लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म दनादन नोट छाप रही है। ऐसा ही क्रेज 12 साल पहले एक फिल्म का भी था, जिसने बॉक्स ऑफिस पर अंधाधुंध कमाई की थी। अवॉर्ड जीतने के मामले में तो इतिहास ही रच दिया था। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, उसका नाम है 'आशिकी 2'। 'आशिकी 2' एक रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म है, जिसका डायरेक्शन मोहित सूरी ने किया है। इसमें आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर लीड किरदारों में नजर आए थे। यह एक ऐसी लव स्टोरी फिल्म है, जिसकी कहानी ने लोगों के दिलों को छू लिया था।. खास यंगस्टर्स के बीच इसका खूब क्रेज देखने को मिल था।

बजट से सात गुना की थी कमाई

बॉक्स ऑफिस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर की 'आशिकी 2' 15 करोड़ रुपए के बजट में बनी थी। भारत में फिल्म ने 78.64 करोड़ और दुनियाभर में 109 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 7 गुना से ज्यादा कमाई की थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ब्लॉकबस्टर रही। आईएडीबी के मुताबिक, मोहित सूरी के डायरेक्शन में बनी 'आशिकी 2' ने टोटल 49 अवॉर्ड जीते थे। आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर की फिल्म की रेटिंग 10 में से 7.1 है। इसकी कहानी आज भी लोगों के दिलों बसी हुई है।

सुपरहीट हुए थे गाने

जैसा क्रेज इन दिनों अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' का है, वैसे ही क्रेज साल 2013 में 'आशिकी 2' को लेकर भी देखने को मिला था। 'तुम ही हो, सुन रहा है, चाहू मैं या ना, मेरी आशिकी, बुला देना जैसे गाने सुपरहिट हुए थे। 'आशिकी 2' का क्लाइमैक्स बहुत इमोशनल कर देना वाला है।

फिल्म की कहानी

कहानी शुरू होती है राहुल जयकर आदित्य (रॉय कपूर) से, जो एक मशहूर सिंगर है, लेकिन अब शराब की लत के कारण उसका करियर बर्बादी की ओर है। एक दिन वह गोवा में एक छोटे से बार में आरोही (श्रद्धा कपूर) को गाना गाते सुनता है, जो होटल में गाना गाकर अपने परिवार का गुजारा करती है। राहुल उसकी आवाज से इतना प्रभावित होता है कि उसे एक सफल सिंगर बनाने का फैसला कर लेता है। राहुल, आरोही को मुंबई लाता है और उसके कॅरियर को संवारने में पूरी मदद करता है। आरोही की गायकी लोगों को बहुत पसंद आती है और वह धीरे-धीरे स्टार बन जाती है। इस बीच दोनों के बीच प्यार भी गहराने लगता है। हालांकि, राहुल का अपना कॅरियर खत्म हो चुका होता है और उसे यह लगने लगता है कि उसकी मौजूदगी आरोही के लिए बोझ बनती जा रही है। इसके बाद 'आशिकी 2' कहानी बड़ा मोड़ लेती है।

खबर संक्षेप

तहसील कार्यालय की छत से टपक रहा पानी

पुसौर। पुसौर के तहसील कार्यालय भवन के नायब तहसीलदार कोर्ट के छत से बरसात के दिनों में लगातार पानी रिसने की जानकारी प्रकाश में आई है। जिसका तहसीलदार द्वारा उच्चाधिकारियों को यथोचित कार्रवाई के लिए दस्तावेज के साथ अवगत कराया जा चुका है। बहरहाल छत से लगातार पानी रिसने के कारण नायब तहसीलदार पंकज मिश्रा के काम काज बिल्कुल प्रभावित हैं और उन्हें कार्यालय के दूसरे हिस्से में अपनी कार्यालय लगानी पड़ रही है। बताया जाता है कि उक्त तहसील कार्यालय भवन का निर्माण वर्ष 2010 के आसपास हुआ है। शासकीय भवनों के मुल्यांकनकर्ताओं के मुताबिक इतनी जल्दी छत से पानी नहीं रिसना चाहिये था। वहीं तहसील कार्यालय में बनाए गए प्रशाधन भी अस्त व्यस्त हो चुका है, जो तात्कालीन निर्माण ऐजेन्सी के क्रियाकलाप अनियमितता के घेरे में होना बताया जा रहा है। कार्यालय में आए हुई महिलाओं को प्रशाधन के कारण आए दिन भारी तकलीफों का सामना करना पड़ता है।

मातृ वंदना योजना के तहत विशेष अभियान 31 तक

रायगढ़। गर्भवती और शिशुवती महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार सुरक्षित मातृत्व और आर्थिक सहायता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत रायगढ़ जिले में 31 जुलाई तक एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र महिला योजना के लाभ से वंचित न रहे। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर विभागीय अधिकारी और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर घर जाकर पात्र महिलाओं से आवेदन पत्र भरवा रहे हैं। कलेक्टर द्वारा इस अभियान की नियमित समीक्षा की जा रही है और जिले के शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान काम न कर पाने से होने वाले आर्थिक नुकसान की आंशिक भरपाई करना है। यह योजना उन सभी गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए है जो केंद्र या राज्य सरकारों या सार्वजनिक उपक्रमों में नियमित रोजगार में नहीं हैं या जो वर्तमान में लागू किसी अन्य कानून के तहत समान लाभ प्राप्त नहीं कर रही हैं। योजना के लाभ और पात्रता प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत पहले बच्चे के जन्म पर महिला को दो किश्तों में कुल पांच हजार रुपए दिए जाते हैं। वहीं दूसरी संतान बालिका होने पर एकमुश्त छह हजार रुपए का प्रावधान है। योजना का लाभ उठाने के लिए लाभार्थी महिला का बैंक या पोस्ट ऑफिस में खाता अनिवार्य है और वह खाता आधार से लिंक होना चाहिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस अभियान के तहत अब तक 500 से अधिक महिलाओं के आवेदन भरवाए जा चुके हैं। पात्र महिलाएं 31 जुलाई तक अपनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता या पर्यवेक्षक से संपर्क कर सकते हैं।

निधन...

आरपी अग्रवाल

रायगढ़। पीडी कॉमर्स कॉलेज रायगढ़ के सेवानिवृत्त प्राचार्य आरपी

अग्रवाल का 90 वर्ष की उम्र में 26 जुलाई दिन शनिवार को सुबह 8 बजे दुखद निधन हो गया। वे पीडी कामर्स कॉलेज से ही सेवानिवृत्त क्रीड़ा अधिकारी, रोटेरियन रामजीलाल अग्रवाल, राधेश्याम अग्रवाल के बड़े भाई व शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिलगा के प्राचार्य दिनेश अग्रवाल के पिताजी थे। उनकी अंतिम यात्रा रविवार की सुबह 9 बजे आशीर्वादपुरम कॉलोनी बी /19 से उनके पुराने आवास समलाई मंदिर के पास, राजापारा होते हुए कयाघाट मुक्तिधाम के लिए निकलेगी।

दर्जनों गांवों के भीतर घुसा पानी, राहत और बचाव कार्य में जुटा प्रशासन

महानदी में आई बाढ़ से तटवर्ती गांवों में किसानों की हजारों एकड़ फसल जलमग्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरिया

प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण महानदी में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। हजारों एकड़ फसल जल मग्न हो गए हैं। वहीं तटवर्ती गांव में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। तथा महनदी का जल स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। जिससे तटवर्ती गांवों के लोगों में चिंता सता रही है। हालांकि प्रशासन द्वारा प्रभावित गांवों में मुनादी करा दी गई है और सुरक्षित स्थान में पहुंचाने तथा बाढ़ राहत शिविर लगाने की बात कही जा रही है।

प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण महानदी उफान पर है। सुबह से ही महानदी का जल स्तर बढ़ता ही जा रहा है। महानदी में आई भीषण बाढ़ के कारण हजारों एकड़ फसल साग सब्जी जलमग्न हो गए हैं। प्रदेश के अंतिम छोर में स्थित पोरथ का प्रसिद्ध स्वयंभू शिव मंदिर जलमग्न हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार महानदी का जलस्तर बढ़ता ही जा रहा है। यदि यही स्थिति रही तो लोगों को गांव छोड़ना पड़ सकता है। बता दे कि किसान अभी खेतों में धान फसल लगाए थे कि बाढ़ के कारण हजारों एकड़ धान फसल व सब्जी एवं नगदी फसल जलमग्न हो गए हैं। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के सरिया तहसील अंतर्गत महानदी के तटवर्ती ग्राम ठेंगागुडी, तोरा बोरिदा, लिप्ती, नदीगांव, परसरामपुर, सुरसी, सूरजगढ़ कोर्रा पोरथ सहित अनेक ग्रामों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। ग्राम तोरा प्रदेश के अंतिम छोर कहलाता है और यहां करीब 25 से 30 एकड़ क्षेत्र में यहां के किसानों ने मक्का का उत्पादन किए हैं। अपने आंखों के सामने मक्का की खेती चौपट होने पर किसानों को भारी पीड़ा पहुंची है। उन्होंने जी तोड मेहनत करके फसल लिए थे और अचानक महानदी में आई बाढ़ के कारण मेहनत पानी डूब गई। ग्राम तोरा के प्रदीप साहू किसान ने अपने परिवार के साथ कमर भर से ज्यादा ज्यादा बाढ़ के पानी में नाव के माध्यम से पहुंचकर मक्का के फसल को सुरक्षित स्थान ला रहे हैं। इसी तरह अनेक किसान यहां अपने फसल को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस संबंध में क्षेत्र की जनप्रतिनिधियों ने बताया कि महानदी का जल स्तर शनिवार सुबह से बढ़ता ही जा रहा है। यदि यही स्थिति रही तो ग्रामीणों को गांव छोड़ने के लिए मजबूर हो जाएंगे। हालांकि ग्रामीण अपने अनाज को एवं मवेशियों को सुरक्षित स्थानों में पहुंचने लगे हैं। प्रशासन द्वारा भी अलर्ट भी जारी कर दिया गया है। गाँव में सरपंच व सचिव सतत्बाढ़ को ग्रामीणों के बीच मुस्तैद है। प्रशासन हर संभव मदद करेगा। इसके लिए सरिया में भी राहत शिविर भी लगाने की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। तथा गांव गांव में सुरक्षित स्थानों पर बाढ राहत शिविर लगाए जाएंगे।

जल-जीवन मिशन में धीमा काम, 12 ठेकेदारों को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगढ़

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सभी ठेकेदारों, कार्यपालन अभियंता, जिला और जनपद पंचायत के सीईओ को बुलाकर सबकी उपस्थिति में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जल जीवन मिशन के कार्यों का समीक्षा किया। धीमा कार्य और कार्य बंद रखने वाले 12 ठेकेदारों को नोटिस, 4 ठेकेदारों को पेनाल्टी के साथ कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सभी ठेकेदारों को जहां सोर्स पूर्ण है, टंकी और पाइपलाइ नके काम पूरा हो गए हैं। साथ ही नल कनेक्शन के कार्य भी पूर्ण हो गए हैं वहां संबंधित गांव के सरपंच व जनपद सीईओ को मिलकर सत्यापन कार्य 10 दिवस में करने के निर्देश दिए। वहीं पाइपलाइन या पानी टंकी का कार्य धीमी प्रगति पर है, उसे शीघ्र शुरू कर समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिन ग्राम पंचायतों के कार्य पूर्ण हो गए हैं तथा सत्यापन भी पूर्ण हो गया है, उन ग्राम पंचायतों को सुपुर्द (हैंडओवर) करने का जनपद पंचायत को निर्देश दिए। ठेकेदार डी व्ही ट्रेडर्स, वैष्णवी कंस्ट्रक्शन, संजीव कुमार, अफजल अहमद बिलासपुर, अभिषेक पालीवल, मुकुल मन्नत सहित अन्य ठेकेदार को नोटिस जारी कर जल जीवन मिशन के कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए और गांव शहर में जहां सीसी रोड उखड़े हैं उसे ठीक कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने समूह जल प्रदाय के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में 3 समूह जल प्रदाय योजना संचालित है। इसमें मिरोनी बैराज पर भद्रा रीवांपार परियोजना के 84 गांव, बरगांव कंचनपुर परियोजना के 102 गांव और घोठला छोटे हरदी परियोजना के 69 गांव के कितने पूर्ण अपूर्ण कार्य का विस्तृत समीक्षा किया। इन स्थानों में कार्यों को गुणवत्ता के साथ दिसम्बर 2025 तक पूर्ण करने के 6 निर्देश कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप, एसडीओ बी एल खरे सहित सभी ठेकेदारों को दिए, वे काम इंटेकवेल, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, रा वाटर, क्लियर वाटर, पंप, मल्टीविलेज आदि शामिल है।

बाबाधाम के लिए निलेगी कांवड़ यात्रा

तमनार। केलो बनांचल के केलो नदी से लगे घटोरिया धाम कसडोल से बाबाधाम कोसमनारा के लिए सैकड़ों शिवभक्त 27 जुलाई की रात को कांवड़ यात्रा निकालेंगे। कांवड़ यात्रा रात 12 बजे से प्रारम्भ होगी। सभी श्रद्धालुओं के लिए घटोरिया धाम में रुकने एवं पुरी-सब्जी की व्यवस्था की गई है। वहीं श्रद्धालु 27 किमी शिव की कांवड़ यात्रा में शामिल होकर पुण्य के भागी बनेंगे। भैंसगढ़ी, बड़गांव, उर्दना अन्य जगहों पर शिवभक्तों द्वारा चाय बिस्किट पानी की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं द्वारा भक्तिभाव से भगवान शिव का जला और दूधाभिषेक किया जाएगा।

बालिकाओं के खेल कौशल को निखारने की पहल

रायगढ़। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार जिले में संचालित खेलों इंडिया लघु केन्द्र रायगढ़ स्टेडियम बोईरदादर रायगढ़ में अस्मिता सिटी लीग का आयोजन किया गया।

खेलो इंडिया योजना के तहत अस्मिता सिटी लीग की शुरूआत की गई है। इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं को प्रेरित करना और उभरती हुई प्रतिभाओं को बढ़ावा देना है। अस्मिता सिटी लीग में खेलो इंडिया लघु केन्द्र बैडमिंटन रायगढ़ के बालिका खिलाड़ी एवं विभिन्न स्कूलों के बालिका खिलाडियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। उक्त सिटी लीग में बैडमिंटन के डबल्स प्रतियोगिता में रिंकी पटेल तथा काशिका ने प्रथम स्थान एवं सिमरन तथा अनुष्का ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा बैडमिंटन एकल प्रतियोगिता में रिंकी पटेल ने प्रथम स्थान तथा सिमरन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

आईटीआई के खेल मैदान व शेष भूमि में सरकारी कार्यालय खोलने का विरोध

पुसौर। आईटीआई के खेल मैदान व शेष भूमि में उप पंजीयन कार्यालय खोलने की प्रक्रिया चल रही है। जिसका आईटीआई के छात्र व स्टाफ विरोध कर रहे हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

दरअसल पुसौर तहसील कार्यालय के बगल में आईटीआई कॉलेज पिछले कई वर्षो से स्थापित है। जिसके विकास के लिए एनटीपीसी लारा, एनटीपीसी तिलाईपल्ली वाले आए दिन सहयोग करते रहे हैं। जिसमें भवन निर्माण, अहाता आदि के साथ-साथ नये ट्रेड स्थापित करने संबंधित स्टूमेंट व रॉ मटेरियल भी मुहैया कराने की जानकारी प्रकाश में आता रहा है। इसलिए पूर्व में उक्त आईटीआई में जो केवल को-पा के नाम से छात्र दाखिल होते थे अब फील्टर इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर सहित

अन्य कई ट्रेड स्थापित हो चुके हैं। जिससे अब छात्र अलग-अलग ट्रेड पर प्रवेश लेते हैं।

इस प्रकार यहां छात्रों की संख्या में कई गुना इजाफा हो चुका है। वहीं यहां अब प्रत्येक विषय के अलग-अलग शिक्षक भी आ चुके हैं और पुसौर आईटीआई विकास की ओर अग्रसर है। पिछले कई सालों से आईटीआई भवन के मैंदान में यहां के छात्र अपनी खेल प्रतिभा का भी प्रदर्शन करते रहे हैं। जिसमें बालीवाल, क्रिकेट, फुटबाल आदि खेल होते रहे हैं। जानकारी के मुताबिक उक्त खेल मैंदान तथा कुछ शेष भूमि में उप पंजीयक कार्यालय भवन निर्माण किए जाने की स्वीकृति राजस्व विभाग द्वारा दी गई है।

जिसका विधिवत ईंशितहार भी जारी किया गया है, जिसमें 25 जुलाई तक आपत्ति किया जाना था। इसके लिए आईटीआई के स्टाफ एवं कुछ छात्रगण एक आपत्ति पत्र तहसीलदार कार्यालय में देना चाहे जिसमें ये सफल नहीं हो पाये। इस तथ्य पर तहसीलदार नेहा उपाध्याय का कहना था कि आईटीआई प्रबंधन जितने ऐरिया में स्थापित है वो सारी भूमि उसे आबंटित नहीं हुई है। ऐसी स्थिति में शासन जनहित में संबंधित भूमि को ले सकती है। इसलिए इनके द्वारा प्रस्तुत किया गया आपत्ति अस्वीकार किया गया है।

आकाशीय बिजली गिरने से बुजुर्ग की मौत

सरसीवा। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला के सरसीवा तहसील के अंतर्गत ग्राम टाटा बिलासपुर मे दुखद घटना घट गई। जहां 55 वर्षीय बुधराम चौहान की मौत का कारण आकाशीय बिजली बना। घटना उस समय की है जब बुधराम चौहान अपने घर के आंगन में कुछ कार्य कर रहे थे। इस दुखद घटना की जानकारी गांव वालों को पता चला वैसे ही बुधराम चौहान को परिवार के सदस्य और गांव के लोगों ने इलाज के लिए तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरसीवां लेकर गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से पूरे गांव में दुख का माहौल छाया रहा।

दहिदा प्राथमिक शाला में मनाया गया हरेली पर्व

कटेली। सारंगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला दहिदा में बैगलेस डे का आयोजन किया गया, इस अवपसर पर हरेली उत्सव भी मनाया गया, जिसमें बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

बैगलेस डे का मतलब है कि बच्चे बिना स्कूल बैग के स्कूल आएंगे और विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेंगे। इस दिन बच्चे खेल, कला, कृषि और व्यवसायिक शिक्षा जैसी गतिविधियों में शामिल होते हैं।

हरेली एक पारंपरिक छत्तीसगढ़ी त्योहार है जो फसलों की कटाई के बाद मनाया जाता है। इस दिन, लोग अपने खेतों और औजारों की पूजा करते हैं। इस दिन फॉउंडेशनल स्तर से विद्यार्थी ख़ास छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में सुसज्जित रहे, छत्तीसगढ़ की संस्कृति की झलक विद्यार्थियों के सुंदर वेशभूषा से मनमोहक लग रही थी, गेड़ी दौड़ का आयोजन किया गया, बच्चों को बताया गया

कि किसान कृषि यंत्रों की पूजा भी इसी दिन करते हैं, कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों द्वारा हरेली गीतों की झमाझम प्रस्तुति दी गई। छत्तीसगढ़ी पारम्परिक पकवान, नीम पत्ती, बैल, कृषि औजार पर बच्चों ने अपने अनुभव साझा किए। वहीं दूसरी ओर प्रीपरेटरी स्तर पर अभिभावक दिवस मनाया गया जैसा कि नाम से पता चलता है माता पिता को स्कूल में आमंत्रित करने और उनके बच्चों की शिक्षा में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। विद्यार्थियों द्वारा बेहद आकर्षक धन्यवाद ग्रीटिंग्स कार्ड अपने माता पिता के लिए बनाया गया, जिसमें अपने माँ और पिता की तस्वीर बच्चों ने लगाई थी, बच्चों ने बताया कि जीवन मे माता-पिता की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, जन्म से ही वे बच्चों का पालन पोषण करते हैं, उन्हें अच्छे संस्कार देते हैं ताकि वे जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्त्तव्यों और दायित्वो का निर्वहन कर सकें। इस प्रकार बैगलेस डे पर हरेली और अभिभावक दिवस का आयोजन एक साथ किया गया ताकि बच्चों को पारंपरिक त्योहारों और उनकी शिक्षा के बारे में जानकारी दी जा सके। इस अवसर पर प्रियंका गोस्वामी, असरिता टोप्पो सहायक शिक्षक एल बी संजय कुमार मिश्रा, खेमराज पटेल उपस्थित रहे, इस शानदार आयोजन हेतु संकुल समन्वयक अशोक कुमार खरे एवं संकुल प्राचार्य बीरेंद्र कुमार अनंत ने शालेय परिवार को बधाई एव शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने वाले 50 अधिकारी-कर्मचारियों को थमाया नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगढ़

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने शुक्रवार को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक सारंगढ़ के कलेक्ट्रेट के विभिन्न शाखाओं, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसील कार्यालय, पीडब्ल्यूडी, जिला शिक्षा अधिकारी, बीईओ, बीआरसी, आदिवासी विकास आदि कार्यालय का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान कार्यालय में अनुपस्थित 50 अधिकारी-कर्मचारियों को कार्यालय में समय पर अनुपस्थिति के संबंध में कलेक्टर डा. कन्नौजे ने सिविल सेवा आचरण 1965 के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया है और जवाब प्राप्त होने के बाद विभागीय कार्रवाई की बात कही है। इस दौरान अपर कलेक्टर एस के टंडन, सीईओ इंद्रजीत बर्मन भी उपस्थित थे। कलेक्टर ने सारंगढ़ के विकास खंड शिक्षा अधिकारी रेशम लाल कोसले, कलेक्टोरेट के सहायक ग्रेड 2 शैलेन्द्र पटेल, सोमदत्त पटेल, ममता नंदे, भू अभिलेख शाखा के सहायक अधीक्षक कमल सिंह ठाकुर, विकास साहू, सहा ग्रे 3 गीता नायक,खनिज शाखा के सहा ग्रे 2 सूरज महंत, प्रोसेस सर्वर अनुराग नंद, सिपाही ज्योति पाल, खाद्य शाखा के आपरेटर गिरिवर कुर्रे, करम यादव, सहायक प्रोग्रामर इंदु प्रधान, रितेश साहू, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के सहा ग्रे 2 डी के हरदिहा, संतोष देवांगन, सहा ग्रे 3 पिंकी कंवर, मिनकेतन जायसवाल, तहसील कार्यालय के सहा ग्रे 2 राजेश गुप्ता, अरविंद पटेल, सहा ग्रे 3 निशांत यादव, कांता उरांव, संजय सिदार, सुभाष उरांव, आपरेटर पूजा बरेठ, भृत्य अंजनी अरिल्ले, सोमेश्वर यादव, साधुराम साव, लोक निर्माण विभाग के मानचित्रकार ठाकुर राम राठिया, सहायक मानचित्रकार गिरीश पटेल, सहायक ग्रेड 2 गजेन्द्र यादव, सहायक ग्रेड 3 छवि श्याम धृतलहरे, लोमेश राठिया, सत्यानंद अजगल्ले, नितीश निराला, एन के भारती, स्थल सहायक एस आर अजय, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सहायक ग्रेड 3 रविन्द्र पटेल, रूपा रत्नेश, मधु देवांगन, विवेक सिदार, ऑपरेटर पंकज साहू, उमाकांत, चपरासी बाल्मीकि सिदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

नवापारा में जागरुकता शिविर का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ घरघोड़ा

छग राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के प्राप्त निर्देशानुसार 1 जुलाई से 7 अक्टूबर तक मध्यस्थता अभियान के तहत शुक्रवार को घरघोड़ा नावापारा में मध्यस्थता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता शिविर का संचालन विधिक स्वयं सेवक पैरालीगल वालिंटियर बालकृष्ण, लव कुमार चौहान एवं टीकम सिंह सिदार के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मध्यस्थता प्रक्रिया द्वारा विभिन्न प्रकार के वादों के निष्पादन के विषय में लोगों को जागरूक किया गया। लोगों को बताया गया कि मीडिएशन के माध्यम से विभिन्न प्रकार के आपसी विवाद बातचीत के द्वारा सुलह समझौते से निस्तारित किए जा सकते हैं। व्यावसायिक वादों में भी मध्यस्थता के माध्यम से वादों का निष्पादन सुगमता से किया जा सकता है। छोटे मोटे व्यावसायिक विवाद आपसी सुलह समझौते से जिला विधिक प्राधिकार में प्रशिक्षित मध्यस्थ की देखरेख में

निस्तारित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त दीवानी वाद, वैवाहिक वाद, संपत्ति विवाद आपसी सुलह समझौते के आधार पर सुगमता पूर्वक निपटा, जा सकते हैं। लोगों को सलाह दी गई कि इस प्रकार के वाद यदि न्यायालय में लंबित है तो मिल बैठकर दोनों पक्ष सुलह का रास्ता तय कर सकते हैं। मध्यस्थता में किसी भी पक्ष की हार नहीं होती और कोर्ट कचहरी के झंझट से मुक्ति मिल जाती है। शिविर में लोगों को आगामी नेशनल लोक अदालत 13 सितंबर की भी प्रचार प्रसार किया गया।

परीक्षार्थियों को 2 घंटे पहले पहुंचना होगा केन्द्र

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा होगी आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा 27 जुलाई रविवार को आबकारी आरक्षक एबी 25 भर्ती परीक्षा का आयोजन होने जा रहा है। इसको लेकर नियंत्रक, छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा परीक्षार्थियों के लिए विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए गए हैं जिसका पालन अभ्यर्थियों को करना होगा। डिप्टी कलेक्टर रायगढ़ प्रवीण भगत ने जानकारी देते हुए बताया कि 27 जुलाई को होने जा रही आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा का समय प्रातः 11 बजे से लेकर अपराह्न 1.15 बजे तक है।

जिसमें परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम 2 घंटे पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचना होगा ताकि उनका फ्रिस्किंग जांच एवं सत्यापन कार्य किया जा सके। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रातः 10.30 बजे तक प्रवेश दिया जाएगा, इसके बाद एंट्री नहीं होगी। प्रवेश के दौरान अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग जांच की जाएगी। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र में ड्यूटी में तैनात एक पुरूष एवं एक महिला कर्मी द्वारा फ्रिस्किंग जांच किया जाएगा। महिला अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग महिला पुलिस कर्मी से ही कराया जाएगा। रायगढ़ जिले में 41 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिले से 11 हजार 343 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया है।

मूल पहचान पत्र लाना होगा अनिवार्य

अभ्यर्थियों को निर्देश दिया गया है कि प्रवेश पत्र के सभी पेज का प्रिंट आउट लें और पेज के केवल एक तरफ प्रिंट करें, क्योंकि प्रत्येक परीक्षा हेतु व्यापम की प्रति परीक्षा केंद्र में जमा हो जाएगी। परीक्षार्थी को परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र के साथ पहचान पत्र के रूप में मतदाता पहचान पत्र ड्राइविंग लाइसेंस पेन कार्ड आधार कार्ड जिसमें अभ्यर्थी का फोटो हो का एक मूल पहचान पत्र परीक्षा दिवस में परीक्षा केंद्र में लाना अनिवार्य होगा। मूल पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं करने पर परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा जिसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होंगे। यदि इंटरनेट से प्राप्त प्रवेश पत्र पर फोटो नहीं आता है, तो अभ्यर्थी अपने साथ दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य रूप से ले कर परीक्षा केंद्र में जाए।

फुटवियर के रूप में चप्पल पहनने के निर्देश

परीक्षा के समय परीक्षार्थियों के लिए जारी निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। परीक्षार्थी को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े और फुटवियर के रूप में सिर्फ चप्पल पहनने के निर्देश हैं। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा प्रारंभ होने के पहले आधा घंटा में एवं परीक्षा समाप्ति के आखिरी आधा घंटा में परीक्षा कक्ष से बाहर जाना वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण इलेक्ट्रानिक उपकरण, इलेक्ट्रानिक घड़ी, पर्स, पाउच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है।